पाठ्यक्रम:HIN-501

पाठ्यक्रम का शीर्षक: मध्यकालीन काव्य : व्यावहारिक समीक्षा

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	मध्यकालीन कवियों की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• वर्तमान संदर्भ में भक्तिकालीन काव्य की महत्ता से परिचित कराना। • भक्तिकाल के कवियों से परिचित कराना। • भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना से अवगत कराना। • भक्तिकाल की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालना।	
पाठ्य विषय	मलिक मुहम्मद जायसी, कबीरदास, गोस्वामी तुलसीदास, मीराँबाई, बिहारी एवं घनानंद के काव्य की व्यावहारिक समीक्षा के मानदंड। चयनित कवि एवं कवयित्री : कविताएँ 1. मलिक मुहम्मद जायसी निर्धारित पाठ्यपुस्तक : जायसी ग्रंथावली,संपादक - आ॰ रामचंद्र शुक्ल: नखशिख - खंड। 2. कबीरदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कबीर - सं॰ आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी पदसंख्या : 1, 2, 5, 12, 20,39, 41, 77, 92, 109, 118, 130, 134, 137, 141, 162, 224, 247 3.गोस्वामी तुलसीदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रामचरितमानस - गोस्वामी तुलसीदास रामचरितमानस:उत्तरकांड (पद संख्या 01 से 30 तक) 4.मीराँबाई - निर्धारित पाठ्यपुस्तक : मीराँबाई की पदावली – सं॰ परशुराम चतुर्वेदी : पद - i. मैं तो साँवरे के रंग राची ii. सखी मेरी नींद नसानी हो iii. तनक हरि चितवौ जी मोरी ओर	**12** **10** **10** **10**

	iv. हरि मेरे जीवन प्राण आधार v. बादल देख डरी हो स्याम vi. सुण लीजो बिनती मोरी vii. ज्यासंग मेरा न्याहा लगाया viii. हरि तुम कायकू प्रीत लगाई ix. तुम बिन मेरो कौन ख़बर ले x. हरि गुन गावत नाचूँगी 5.बिहारी - निर्धारित पाठ्यपुस्तक : बिहारी रत्नाकर :श्री जगन्नाथदास'रत्नाकर'- दोहे संख्या : 4, 7, 10, 91, 93, 95, 96, 155,157, 158,163, 300, 322, 364, 499 6. घनानंद –निर्धारित पाठ्यपुस्तक- घनानंद कवित्त (सं॰) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : कवित्त संख्या – 2, 12, 15, 24, 40, 78, 87, 112, 140, 278	**10** **08**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र	
संदर्भ ग्रंथ	1) अग्रवाल, पुरुषोत्तम. कबीरःसाखी और सबद.नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2016. 2) अग्रवाल, वासुदेव शरण. पद्मावत.लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद, 2000. 3) गुप्त, माताप्रसाद. तुलसी ग्रंथावली -भाग 1, 2.हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयाग,1950. 4) गुप्त, माताप्रसाद. तुलसीदास.हिंदी परिषद प्रकाशन इलाहाबाद, 1957. 5) तिवारी, गोपीनाथ (सं॰)-तुलसीदास विभिन्न दृष्टियों का परिप्रेक्ष्य.विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1973. 6) तिवारी, डॉ॰ रामचंद्र. कबीर – मीमांसा. लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद, 1995. 7) द्विवेदी, आ॰ हज़ारीप्रसाद. कबीर.राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली, 1995. 8) शुक्ल, आ॰ रामचंद्र. त्रिवेणी.नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1983. 9) शुक्ल, ललित. पद्मावत संदर्भ कोश. स्टैंडर्ड पब्लिशर्स इंडिया, नई दिल्ली, 1999. 10) साही, विजयदेवनारायण. जायसी.हिंदुस्तानी एकेडमी इलाहाबाद, 1993. 11) सिंह, डॉ॰ वासुदेव. कबीर, साहित्य, साधना और पंथ.संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1993. 12) सिंह, डॉ॰ वासुदेव. मध्यकालीन काव्यसाधना. संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1981.	
अधिगम परिणाम	• मध्यकालीन काव्य की महत्ता से परिचित होंगे।	

	• भक्तिकाल के कवियों से परिचित होंगे। • भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना से अवगत होंगे। • भक्तिकाल की प्रासंगिकता को समझ पाएँगे।	